हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 30 जून 2025

तापमान
अधिकतम 31.9 डिग्री
न्यूनतम 27.5 डिग्री

11 60 वर्षों की पुश्तैनी बस्ती पर गहराया संकट ...

12 माता परमेश्वरी देवी की श्रद्धांजलि सभा में छलके श्रद्धा के आंसू

खबर संक्षेप

राजकीय महाविद्यालय में खुला जीजेयू का स्टडी सेंटर

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार का शिक्षा केंद्र खुल गया है। इस महाविद्यालय में अब दूरस्थ शिक्षा के जरिए पढ़ाई करने वाले छात्र छात्राओं को पढ़ाई करने का मौका मिल सकेगा। कॉलेज के प्रिंसिपल रोहित कुमार ने बताया कि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के दूरस्थ एवं ऑन लाइन शिक्षा केंद्र ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिला प्रक्रिया आरंभ कर दी है। दो जुलाई से केंद्र का प्रवेश पोर्टल खुलेगा। इस वर्ष जीजेयू द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में शिक्षा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी महम में महम के राजकीय महाविद्यालय में भी स्टडी सेंटर खोला गया है। कॉलेज के लिए यह हर्ष का विषय है।

श्रीबालाजी धाम गांव डोभ पर पहुंची ध्वजा यात्रा

रोहतक। 43वीं पैदल ध्वजा यात्रा श्रीबालाजी धाम गांव डोभ पर पहुंची। भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम गांव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक रविवार को शनि देव मित्र मण्डल तेज कॉलोनी रोहतक एवं भक्तजनों द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से सुबह 8:30 बजे पैदल ध्वजा यात्रा श्री बालाजी धाम डोभ के लिये चलती हैं धाम पर संकीर्तन, स्वास्थ्य जाँच शिविर व भंडारा लगाया जाता है।
दुर्गा भवन मंदिर से ज्योत प्रचण्ड कर के यात्रा कि शुरुआत की सभी हाथ में ध्वजा लिए जय श्री राम के जयकारे लगाते हुये श्री बालाजी धाम डोभ पहुंचे।

बड़ी आबादी सामाजिक सुरक्षा का उठा रही लाभ

काहनौर। पीएम नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सीधा प्रसारण रविवार को गांव काहनौर में सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला प्रभारी (सभी प्रकोष्ठ) रोहतक डॉ. अशोक रंगा ने की। ग्रामीणों व युवाओं ने बड़ी भागीदारी के बीच कार्यक्रम ने जन-जागरूकता और राष्ट्र भावना को मजबूत किया। डॉ. अशोक रंगा ने अपने संबोधन में कहा देश की बड़ी आबादी सामाजिक सुरक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठा रही है।

मंत्री गंगवा ने गुरु नानकपुरा में बरसाती जल निकासी डिस्पोजल सेंटर का किया उद्घाटन

कई कॉलोनियों को फायदा, अब बारिश में नहीं होगा जलभराव

सरकार सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र के साथ हर क्षेत्र में विकास करवा रही

24 करोड़ की लागत से नवनिर्मित हुआ बरसाती जल निकासी डिस्पोजल सेंटर

- हर घर में नल व नल में स्वच्छ पानी के सपने को साकार करने की दिशा में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग निरंतर कर रहा है कार्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र के साथ प्रदेश के सभी हिस्सों में एक समान कार्य करवाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा स्थानीय गुरू नानकपुरा में 24 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित बरसाती जल डिस्पोजल केन्द्र के उद्घाटन के उपरांत उपस्थितगण को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रोहतक शहर की भौगोलिक स्थिति कटोरानुमा है तथा वर्षा के दौरान इस क्षेत्र में जलभराव हो जाता था। सरकार द्वारा नागरिकों की इस समस्या के निदान के लिए बरसाती जल डिस्पोजल सेंटर का निर्माण किया गया है। हर घर में नल व नल में स्वच्छ जल के सपने को साकार करने की दिशा में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। विभाग द्वारा स्वच्छ पेयजल, बेहतर सीवर व्यवस्था व बरसाती जल निकासी के प्रबंधों को निरंतर बेहतर किया जा रहा है।

रोहतक। नवनिर्मित बरसाती जल डिस्पोजल केन्द्र के उद्घाटन जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा।

रोहतक। पौधरोपण करते जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा व पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर।

ये लोग मौजूद रहे

इस अवसर पर प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष सतीश नांदल, पार्षद सुरेश किराड़, कपिल नागपाल, अंजू सैनी, निर्मल बैरागी, मंडल अध्यक्ष रॉकी सहगल, बबीता, राजीव भाकर, हैप्पी अनिल, संजय ढुरेजा, सुभाष सौलंकी, धर्मसिंह प्रजापति व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर को सभी की चिंता

रणबीर गंगवा ने कहा कि पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर लगातार इस क्षेत्र के नागरिकों की चिंता करते हैं तथा हमेशा लोगों की परेशानियों को दूर करवाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्हीं के प्रयासों से ही इस डिस्पोजल का निर्माण हुआ है। इस डिस्पोजल को जल्द तैयार करवाने के लिए पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने अथक मेहनत की है। डिस्पोजल का कार्य जल सम्पन्न करवाने के लिए मनीष कुमार ग्रोवर निरीक्षण के लिए एक बार यहां पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल को भी लेकर आए थे। सरकार द्वारा पीने के पानी व सीवरेज आदि की सभी समस्याओं को दूर किया जा रहा है।

जनता की समस्याओं का किया जाए समाधान

पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री से कहा कि वे निरंतर इस क्षेत्र के नागरिकों की पानी, सीवर व जल निकासी से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान करें। इस क्षेत्र के लोगों से सीवर इत्यादि की समस्या के बारे में बातचीत कर सरकार को एक प्रोजेक्ट भेजा है, जिसे सिरे चढ़ाया जाए। सरकार द्वारा सबका साथ-सबका विकास व सबका विश्वास के साथ निरंतर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कालोनियों में वर्षा के जल की निकासी के लिए उन्होंने इस परियोजना को सरकार को भेजा था, जिसे आज धरातल पर लागू कर दिया गया है।

इन कॉलोनियों को होगा फायदा

लगभग 24 करोड़ रुपये की धनराशि से निर्मित डिस्पोजल से महावीर कॉलोनी, सैनीपुरा, संजय कॉलोनी, न्यू चमनपुरा कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी और साई दास कॉलोनी आदि क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। डिस्पोजल केंद्र में एक बड़ा एकीकृत टैंक बनाया गया है। डिस्पोजल में तीन स्क्रीनिंग चैंबर भी बनाए गए हैं तथा इसके अलावा तीन इनलेट चैंबर बनाए गए हैं। डिस्पोजल केंद्र में एक नाबदान, पांच नॉन क्लॉग सीवरेज सबमर्सीबल पंप, 5 स्प्लिट केसिंग होरिजेंटल सीवरेज पंप, एक पंप चैंबर, 4 डीजे सेट, दो ट्रांसफार्मर, स्टार्म लाइन तथा एचडीपीई पाइपलाइन लगाई गई है।

रोहतक। डॉक्टर्स दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन करते पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल।

डॉक्टर्स दिवस कार्यक्रम में बोले वीसी डॉ. एचके अग्रवाल

स्वस्थ समाज से ही होगा विकसित राष्ट्र का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के सुश्रुत ऑडिटोरियम में रविवार को भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) रोहतक शाखा ने हरियाणा स्टेट मेडिकल टीचर एसोसिएशन के सहयोग से डॉक्टर्स दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल, एलपीएस बोसारड् के एमडी एमडी राजेश जैन उपस्थित हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच का संचालन डॉ. वरुण और डॉ. प्रीयमवदा ने किया। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ एच के अग्रवाल ने कहा कि आप सभी को चिकित्सा दिवस की अग्रिम बधाई। उन्होंने कहा कि यह दिवस चिकित्सकों के लिए समर्पित किया गया है जो की दिन-रात समाज की सेवा में लगे रहते हैं।

चिकित्सक के लिए मरीज पहलेः डॉ. सिंघल

निदेशक डॉ एस के सिंघल ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि चिकित्सक के लिए मरीज पहले होता है और वह खुद की प्राथमिकताएं बाद में रखता है। डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि डॉक्टरों को अपने मरीजों के साथ अच्छे संबंध बनाने चाहिए और उनकी सेवा में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार डॉक्टर अपने मरीजों की सेवा में अपने आराम को भी नजरअंदाज कर देते हैं, ऐसे चिकित्सकों को शत शत नमन है।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण कर सकता है और हमें हमारे पीएम मोदी जी के विकसित भारत 2047 के सपने को पूरा करने के लिए काम करना चाहिए। डॉ अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टरों की जिम्मेदारी समाज को स्वस्थ रखने की है और हमें इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर एसएल वर्मा ने बताया कि यह दिवस डॉ बीसी रॉय प्रसिद्ध फिजिशियन की याद में वर्ष 1991 से मनाया जाता है।

मदवि में वैज्ञानिक मानसिकता प्रशिक्षण शिविर संपन्न

साइंटिफिक टेम्परामेंट को अपनाए बिना समाज बेहतर विकास नहीं कर सकता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के कॉन्फ्रेंस हाल में ज्ञान-विज्ञान आंदोलन हरियाणा द्वारा समाज, विज्ञान और वैज्ञानिक मानसिकता पर आयोजित कार्यशाला का रविवार को समापन हो गया। समापन सत्र की अध्यक्षता हरियाणा विज्ञान मंच की राज्याध्यक्ष प्रो. विनीता शुक्ला और मंच संचालन हरियाणा ज्ञान-विज्ञान समिति के राज्य सचिव सुरेश कुमार ने किया। मंच पर प्रोफेसर भगत सिंह, डॉ. रणबीर दहिया, प्रमोद गौरी, सिद्दीक अहमद मेव, हीरा लाल, वेदप्रिय, सतबीर नागल भी शामिल रहे। कर्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर भगतसिंह ने कहा कि साइंटिफिक टेम्परामेंट को अपनाए बिना कोई भी समाज बेहतर विकास नहीं कर सकता। इसलिए कार्यशाला में किए गए गहन चिंतन में उभरे विचारों को आम जनमानस के बीच ले जाकर जागरूक करना चाहिए। वैज्ञानिक मानसिकता पर इतना गंभीर विमर्श मैंने पहले कभी नहीं देखा। ऐसा लगा जैसे साइंस यज्ञ चल रहा हो। इसके लिए उन्होंने आयोजकों को बधाई दी।

सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया

कार्यशाला में उभरे बिंदुओं के आधार पर प्रोफेसर प्रमोद गौरी ने भविष्य की योजना को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 12 जिलों में अनेक गांवों और स्कूलों में विज्ञान चर्चा को ले जाने की योजना बनाई गई। आने वाले दिनों में प्रदेश के सैकड़ों स्कूलों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रचार के लिए पुस्तक वाचन के आधार पर पेपर लेना, सेमिनार, गोष्ठी, विज्ञान के सरल प्रयोग, खगोल विज्ञान, चमत्कारों का पर्दाफाश और सांस्कृतिक प्रस्तुति आदि कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। इस मौके पर इंटर्नशिप के छात्रों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व सभी प्रतिभागियों को तीन समूहों में बांटकर रिसोर्स पर्सन्स द्वारा चमत्कारों का पर्दाफाश, विज्ञान के सरल प्रयोग और खगोल विज्ञान पर प्रशिक्षण दिया गया।

बैंक के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर में 82 यूनिट रक्त एकत्र

रोहतक। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जुलाई में अपना 70 वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इस उपलक्ष में बैंक द्वारा सम्पूर्ण भारत में अपने सभी मंडलों प्रशासनिक कार्यालयों में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय स्टेट रोहतक मॉड्यूल द्वारा भी उप-महाप्रबंधक अरिजित घोष राय के निर्देशन में बैंक द्वारा पीजीआई रोहतक के सहयोग से प्रशासनिक कार्यालय परिसर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, रोहतक के क्षेत्रीय प्रबंधक रमा शंकर ने किया। रक्तदान शिविर में रोहतक मॉड्यूल के स्टाफ सदस्यों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया व 82 यूनिट रक्तदान किया।

मदवि के कुलपति ने सीएम से शिष्टाचार भेंट की, विवि की योजनाओं पर चर्चा की

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में शिष्टाचार भेंट की, जिसमें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा भावी योजनाओं पर संक्षिप्त चर्चा हुई। कुलपति ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध व नवाचार गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एमडीयू आज हरियाणा में विद्यार्थियों की पसंद बन चुका है। इस वर्ष 100 से ज्यादा विदेशी विद्यार्थियों ने भी शिक्षा प्राप्त करने में रुचि दिखाई है, जिसमें अफ्रीका, ईस्ट एशिया तथा भारत के पड़ोसी देशों के छात्र शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि एमडीयू का विवेकानंद पुस्तकालय देश के श्रेष्ठ पुस्तकालयों में शुमार है।
नई शिक्षा नीति के अनुरूप शैक्षणिक सुधार लागू : कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप शैक्षणिक सुधारों को लागू करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। साथ ही, युवाओं को उनके सामाजिक सरोकारों से जोड़ रहा है, शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सोशल कनेक्ट को भी बढ़ावा दे रहा है।

सांसद जांगड़ा ने कार्यकर्ताओं संग सुना मन की बात कार्यक्रम

महम। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने काठमंडी महम स्थित कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुना। प्रधानमंत्री का यह 123वां मन की बात कार्यक्रम था। रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि पहले ही तरह ही इस बार भी यह कार्यक्रम प्रभावशाली और प्रेरणादायी था। उन्होंने कहा की प्रधानमन्त्री की मन की बात एक एक भारतीय के मन को छूती है। हर व्यक्ति एक भावनात्मक जुड़ाव महसूस करता है। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगडा ने रविवार को अपने कार्यालय में जनता दरबार भी लगाया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों से बातचीत कर उनका समाधान करवाया। इस मौके पर अजीत अहलावत, जोगिंद्र, सतपाल, अमित, पवन शर्मा, देवेंद्र अहलावत, अशोक सिवाच, रामनिवास रोहिला, कमल, नवनीत राठी, सूरजमल जांगड़ा व बवान मोखरा समेत कई पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

मानसून सक्रिय तापमान 32-35 डिग्री सेल्सियस के बीच, पनीरी रोपते ही शुरू हो जाती है बढ़वार

उम्मीदः इस बार जून में एवरेज 5 मिमी ज्यादा बारिश हुई, अभी 1 दिन शेष

धान की रोपाई के अनुकूल बना मौसम

अमरजीत एस गिल ▸▸| रोहतक

इस बार मानसून सराबोर कर सकता है। जून 2024 की बजाय 2025 में अभी तक एवरेज 5 मिलीमीटर ज्यादा बरसात हो चुकी है। जबकि जून का एक दिन शेष है। पिछले साल 29 जून को जिले में मानसून की पहली बरसात हुई तो रोहतक ब्लॉक में 55, सांपला में 51 और कलानौर में 4 एमएम पानी गिरा। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मौसम विभाग द्वारा जारी किए रुटिन बुलेटिन में बताया गया है कि प्रदेश में मानसून का आगमन हो चुका है। अब अच्छी बरसात होने की उम्मीद है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग का कहना है कि जिन किसानों ने धान की रोपाई करनी है, वे इस समय कर सकते हैं। क्योंकि मौसम रोपाई के अनुकूल बन गया है। रविवार को रोहतक का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में बारिश होगी, ऐसा पूर्वानुमान में बताया गया है। बरसात होने पर तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। ऐसे में रोपी गई धान की पनीरी तुरंत बढ़नी शुरू होगी।

बारिश में भीगते हुए सेल्फी

जून 2024 में हुई बरसात

रोहतक खंड में 59, महम में 10, सांपला में 61, कलानौर में 11 और लाखनमाजरा में 3 मिलीमीटर बारिश जून 2024 में हुई थी। जिले की एवरेज 28.5 मिलीमीटर बनती है। जून 2025 में 46, महम में 50, सांपला में 26, कलानौर में 40 और लाखनमाजरा ब्लॉक में 7 एमएम दर्ज की गई है। ये औसत 33.8 है। यानी जून 2024 की बजाय 2025 में 5 एमएम ज्यादा पानी बरसा है।

जुलाई में बढ़ती है सक्रियता

प्रदेश में आमतौर पर मानसून जुलाई के दूसरे सप्ताह में पूरी तरह से सक्रिय होता है। पहले सप्ताह में भी अच्छी बरसात होती है। लेकिन 2024 में ऐसा नहीं हुआ। पूरे महीने में औसत 49.4 मिलीमीटर पानी बरसात। जोकि सामान्य से आधा कम था।जुलाई 2024 में एक भी दिन ऐसा नहीं था, जब सभी पांच ब्लॉक में बारिश हुई। अमूमन जब मानसून सक्रियता पर होता है तो समूचे जिले में एक साथ पानी बरसता है। कई बार जिले के आसपास के क्षेत्रों में भी झमाझम होने से किसानों की पौ बारह होती है।

सीआईए-2 स्टाफ को मिली बड़ी सफलता

अलग-अलग स्थान से महिला व युवक को नशीले पदार्थ सहित किया गिरफ्तार

- 348 ग्राम चरस (सुल्फा) व 270 ग्राम हेरोइन बरामद

- सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ईस्माइला बस स्टैंड के पास से युवक को काबू किया गया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

सीआईए-2 स्टाफ की टीम ने अलग-अलग स्थान से महिला व युवक को नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया गया है। युवक से 348 ग्राम चरस (सुल्फा) व महिला से 270 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। आरोपियो को पेश अदालत किया गया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग केस दर्ज कर कार्रवाई की गई। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। प्रभारी सीआईए-2 स्टाफ के एसआई सतीश कुमार ने बताया कि टीम बोहर नहर पुल के पास गश्त में मौजूद थी। बोहर नहर पुल के पास से महिला को शक के आधार पर काबू किया गया। महिला की पहचान बबली पत्नी रमेश के रुप मे हुई। उसकी तलाशी लेने पर महिला के पास से 270 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। महिला के खिलाफ थाना अर्बन एस्टेट में केस दर्ज किया गया। सीआईए-2 स्टाफ की दूसरी टीम खरावर पुल के पास गश्त मे मौजूद थी। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुये ईस्माइला बस स्टैण्ड के पास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान संदीप निवासी इस्माइला के रुप मे हुई। युवक की तलाशी लेने पर युवक के पास से 348 ग्राम चरस बरामद हुई।

सावन की मस्ती

सावन माह शुरू होने जा रहा है। सावन की मस्ती से भला कौन वाकिफ नहीं। रिमझिम के दौरान युवाओं के अलावा बच्चे भी घरों की छतों पर या गलियों में अक्सर उछल-कूद करते हुए देखे जा सकते हैं। गलियों में पानी भर जाने पर कागज की किश्ती बनाकर उसे तैराना हर किसी के जीवन का खास यादगार पल होता है। किशोरों की टोलियों को बरसात में भीगना, एक-दूसरे को भिगौना खूब सुहाता है। ऐसे में बड़े-बुजुर्ग और महिलाएं अक्सर गुलगुले-पकौडे.आदि पकवान का स्वाद लेते हैं।

चौमासे में गुलगुले-घेवर की खुशबू से महकेंगी गलियां

प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक समय ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

चातुर्मास

राज कुमार नरवाल

चौमासा शुरू हो गया है। बारिश का मौसम आ गया है। अब हमारा रहन सहन, खान-पान और पहनावा बदल जाएगा। हमारे पूर्वजों ने ऋतुओं के हिसाब से ही हमारी परंपराएं व रीति-रिवाज बनाए थे। हमारे पूर्वजों के बनाए इन नियमों पर चलते हुए हम अपने आप को स्वस्थ रख सकते हैं। झुलसाने वाली ज्येष्ठ महीने की गर्मी के बाद आषाढ़ महीना चल रहा है। 11 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो जाएगा। बरसात के इस मौसम में हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए, हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए नियम तय किए थे। सबसे पहले बात करते हैं कि चौमासा होता क्या है?

हरियाणा में 'चौमासा' शब्द का उपयोग वर्षा ऋतु के चार महीनों (आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन) के लिए किया जाता है। इसे चातुर्मास भी कहा जाता है। इस दौरान, शुभ और मांगलिक कार्यों को करना शुभ नहीं माना जाता है। चातुर्मास चार महीनों (120 दिन) का होता है, जो आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवशयनी एकादशी) से शुरू होता है और कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवउठनी एकादशी) तक चलता है। इन चार मास में हमारा खान-पान और रहन सहन बदल जाते हैं। इस दौरान कुछ त्योहार भी आते हैं। इन त्योहारों को धूमधाम से मनाया जाता है। चौमासा शुरू होते ही हमारे गांवों की गलियां गुलगुले, सुहाली और घेवर की खुशबू से महकने लगती हैं। चौमासा शुरू होते ही शहरों और गांवों में अभी से ही घेवर बनना शुरू हो गया है। सावन का महीना शुरू होते ही बरसात के मौसम में बनाए जाने वाले पकवानों की महक और बढ़ जाएगी।

गुलगुले और सावन का खास मेल

गुलगुले-सुहाली और सावन के महीने का खास मेल है। हरियाणा प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक जमाना ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। पहले की बजाए अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत बनाती है सावन की कोथली

हरियाणा में महिलाओं के मान-सम्मान से जुड़े कई ऐसे रीति रिवाज हैं, जो आज भी गांव-देहात में प्रचलित हैं। यहां सावन के महीने में भाई अपनी बहन को कोथली देने जाता है। इसमें वह उसके कपड़े, गुलगुले, सुहाली, घेवर, पतासे व फल आदि लेकर जाता है।

बहनों को सावन में अपने भाइयों का बेसब्री से इंतजार रहता है, कि कब भाई आए और वह अपने आस-पड़ोस व परिवार को बताए कि उसका भाई उसकी कोथली लेकर आया है। महिलाएं कोथली में आए सामान को आस-पड़ोस में बड़े चाव से बांटती हैं। लेकिन कोथली का यह रिवाज अब आधुनिकता की भेंट चढ़ता जा रहा है। बहन-भाई के रिश्ते अब पहले जितने प्रगाढ़ नहीं रहे, जिस वजह से अब बहुत से भाई अपनी बहन की कोथली देने नहीं जाते।

किसी जमाने में जो भाई अपनी बहन की कोथली नहीं देने जाता था, उसे समाज में हीन भावना से देखा जाता था और समाज के डर से नाराजगी में भी वह अपनी बहन की कोथली देने जाता था। बहन व भाई नाराज हो जाते थे तो सावन के महीने में भाई कोथली लेकर बहन के घर पहुंचता तो सारे गिले-शिकवे दूर हो जाते थे। कोथली एक ऐसा रिवाज है, जिससे बहन और भाई का रिश्ता और मजबूत बनता है। मगर अब वह पहले जैसी बात नहीं रही। अब रिश्तों की मिठास कम होती जा रही है। सावन में कोथली यदि लेट हो जाती तो महिलाएं गीतों के माध्यम से उलाहने देना शुरू कर देती थी। एक गीत में एक महिला ने किसी जमाने में उलाहना देते हुए यह गीत गाया था कि-

नीमों के निंबोली लागी सामणिया कद आवैगा,
मरियो ए बसंता नाई मेरी कोथली कब लावैगा।

पुराने जमाने में यदि भाई को समय नहीं होता तो नाई को कोथली देने भेज देते थे। इसलिए इस गीत में नाई का जिक्र है। एक महिला का भाई नहीं था, जिसने गीत के माध्यम से कोथली न पहुंचने की पीड़ा अपनी सास के साथ इस प्रकार जाहिर की थी

ऐरी सासड़ तीजां का बड़ा त्योहार
मेरा कोन्या मां का जाया बीर,
मेरी कोथली कोण पहुंचावैगा।

सावन माह में सिंधारा

शादी के बाद जब पहला सावन आता है तो सावन के महीने में लड़की अपनी ससुराल में नहीं रहती। वह अपने मायके चली जाती है। इस दौरान नवविवाहिता का ससुर सिंधारा लेकर बेटे की ससुराल पहुंचता है। इस सिंधारे में भी कोथली वाला ही सामान होता है। यह भी ऐसी परंपरा है, जिससे रिश्तों को मजबूती मिलती है।

बहन के घर देते हैं सिधा

होली, दीपावली और मकर सक्रांति आदि त्योहारों पर भाई अपनी बहनों के पास सूट, फल, मिठाई और घी आदि लेकर जाते हैं। भाई को त्योहार पर अपने घर देखकर बहन बहुत खुश होती हैं। अपने दुख-सुख सांझा करती हैं और यदि बहन की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो भाई जो सामान लेकर पहुंचता है उससे परिवार का त्योहार अच्छे तरीके से मन जाता है।

तीज का त्योहार

हरियाणा प्रदेश में वर्षा ऋतु (मानसून) के आगमन पर तीज का त्योहार सबसे पहले आता है, जो जुलाई या अगस्त में पड़ता है। कहा भी जाता है कि आई तीज, बिखेरगी बीज अर्थात तीज पर्व से त्योहारों का आगमन प्रारंभ हो जाता है। यह त्योहार पार्वती और भगवान शिव के प्रेम का प्रतीक है और हरियाली तीज के नाम से भी जाना जाता है। महिलाएं इस दिन हरे रंग के कपड़े पहनती हैं और रंग-बिरंगी चूड़ियां पहनती हैं।

धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। चातुर्मास के दौरान, विवाह, गृह प्रवेश, सगाई जैसे शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। यह समय पूजा-पाठ, जप, ध्यान, और आत्म-चिंतन के लिए उत्तम माना जाता है। चातुर्मास में, कुछ लोग जमीन पर सोते हैं, शाकाहारी भोजन करते हैं, और कुछ विशेष वस्तुओं जैसे कि गुड़, तेल, दूध, दही, बैंगन, शाकपत्र आदि का सेवन नहीं करते हैं।

गोगा नवमी का त्योहार

यह त्योहार भाद्रपद महीने में मनाया जाता है। यह त्योहार गोगा वीर (एक लोक देवता) को समर्पित है, जो सांपों के देवता के रूप में भी जाने जाते हैं। इस दिन, लोग गोगा वीर की पूजा करते हैं और सांपों से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं।

लोकगीत और नृत्य

बारिश के मौसम में, हरियाणा में लोकगीत और नृत्य का विशेष महत्व है। लोग पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ गाते और नाचते हैं, जो बारिश और फसल के मौसम का जश्न मनाते हैं।

चौमासा फसल के लिए खास

खरीफ की फसल के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। यह समय किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण होता है, और वे इस दौरान अपने खेतों में काम करते हैं। बारिश का मौसम हरियाणा के किसानों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह फसल उगाने का समय होता है। इस दौरान, किसान खेतों में काम करते हैं और फसल की अच्छी पैदावार के लिए प्रार्थना करते हैं।

इस मौसम में खान-पान का विशेष ध्यान रखना जरूरी

- बारिश के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियां नहीं खानी चाहिए। क्योंकि इनमें बैक्टिरिया और किटाणुओं से संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। पत्तों के बीच में कीड़े मिलने की संभावना बनी रहती है।
- लौकी, करेला और तोरई का सेवन करना : चाहिए।
- दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही, छाछ व पनीर सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।
- मांस, मछली और अंडे तामसिक भोजन में आते हैं, ये पाचन तंत्र को प्रभावित करते हैं, इसलिए चौमासा में इनका सेवन करने से बचना चाहिए।
- बैंगन में भी कीड़े होने की संभावना बनी रहती है, इसलिए बैंगन नहीं खाना चाहिए।
- धार्मिक मान्यताओं में भाद्रपद महीने में तो दही का सेवन वर्जित माना गया है।
- मूंग, मसूर और अरहर की दाल का सेवन करना चाहिए।
- मौसमी फल जो शरीर को विटामिन और खनिज प्रदान करते हैं, ऐसे फलों का सेवन करना चाहिए।
- संभव हो तो चौमासे में दिन में केवल एक बार ही भोजना करना चाहिए। रात को हल्का भोजन या फल खाना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। भोजन को साफ़ और स्वच्छ वातावरण में बनाना चाहिए।
- चौमासा के दौरान, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- यदि कोई व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित है, तो उसे डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए।

रागनी | **डा. रणबीर सिंह दहिया**

निकम्मा घना सै करतार

सोलां सोमवार के ब्रत राखे मिल्या नहीं सही भरतार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घना सै करतार

बालकपन तैं चाहया करती मन चाहया भरतार मिलै
बराबर की इंसान समझै ठीक ठाक सा घर बार मिलै
उठते बैठते सोच्या करती बढ़िया सा मनै परिवार मिलै
मेरे मन की बात समझले नहीं घणा वो थानेदार मिलै
इसकी खात्तर मन्नत मानी चढ़ावे चढ़ाए मनै बेसुमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

मेरी सहेली नै ब्याह ताहिं एक खास भेद बताया था
सोलां सोमवार के ब्रत करिये मेरे को समझाया था
बोली मनचाहया वर मिलै जिसनै यो प्रण पुगाया था
मनै पूरे नेग जोग करे एक बी सोमवार ना उकाया था
बाट देखै बढ़िया बटेऊ की यो म्हारा पूरा ए परिवार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कई जोड़ी जूती टूटगी फेर जाकै नै यो करतार पाया
पहलम तै बोले बहु चाहिए ना चाहिए सै धन माया
ब्याह पाछै घणे ताल्ने मारे छोरा बिना कार के खंदाया
सपने सारे टूटगे मेरे बेबे सोमवार ब्रत काम ना आया
पशु बरगा बरतावा सै ना करै माणस बरगा व्यवहार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

ये तो पाखण्ड सारे पाये ना भरोसा रहया भगवान मैं
उसकी ठीक गलत सारी पु[redacted]ायी ना दया उस इंसान मैं
फेर न्यों बोले पाछले मैं क[redacted] रही भक्ति तनै पुगाण मैं
आंधा बहरा राम जी भी [redacted] आया पिटती छुड़ाण मैं
कहै रणबीर बरोने आल[redacted]ज पाखंडाँ की भरमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कविता | **राजपाल सिंह गुलिया**

मजबूरी का मोल नहीं सै

मजबूरी का मोल नहीं सै, कहते आए लोग सयाणे।
देखे हमने अकल बिना भी, इस दुनिया में ऊँट उभाणे ॥

टोटा बैरी मजबूरी म्हँ, जिब चूँट - चूँट कै खावै सै।
लाचारी हो पर्वत तैं भारी, कुछ ना पार बसावै सै।
आग बलै ना अगर पेट म्हँ, तै कोण कमावण जावै से।
मजबूरी या प्यार घणा हो, ना तै कोण किसे कै खावै सै।
कोण अपणा भेद बतावै सै, बिना जाणे और पिछाणे ॥

घणा कसूता काम देख ल्यो, माणस जिब मजबूर हों सैं।
कुछ तै फाँसी खा कै मरज्या, कुछ नशे म्हँ ए चूर हों सैं।
दर्द कसूता हो सै जिब, नूँह आंगलियाँ तैं दूर हों सैं।
वो भी हमने पिटते देख्ये, जिनके ..नाहीं कसूर हों सै।
इब वोहे लोग .मसूर .हों , जो गावैं सैं भूंडे गाणे।

जिनके .देख्ये छो आवै सै, उनतै करणे सलाम पड़ैं सैं
दो धेले के माणस तैं भी, कदे जरूरी काम पड़ैं सैं।
लुक - छुप .कै .जो काम करे , मानने सरेआम पड़ैं सैं।
शौक और मजबूरी म्हँ तैं, देणे दूणे दाम पड़ैं सैं।
ज्यूँ आँधी म्हँ आम झड़ैं सैं, लागे न्यू ये दाम बिराणे ॥

किसै की घणी किसै की थोडी, सबकी ए मजबूरी हो सै।
वो भी फिरैं हाँडते मिरगा, जिन धोरे कस्तूरी हो सै।
दिल अपणे नै डाट बावले, यो भी भोत जरूरी हो सै।
सभ के मन की इच्छा बोलो, किसकी किसतैं पूरी हों सैं।
राजपाल गुलिया कहता, थम, भी बणो आंध्यां म्हं काणे ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कार्यकाल | **अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को 54 वर्षों बाद ही 1858 में मात्र एक तहसील बना दिया था**

बेहद रोचक इतिहास है रियासत झज्जर का

झरोखा | **यशपाल गुलिया**

अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को मात्र एक तहसील बना डाला था। पाठ्य सामग्री के अभाव के कारण झज्जर के इतिहास बारे ज्यादातर नागरिक आज तक अनभिज्ञ ही हैं। केवल झज्जर के अन्तिम नवाब के विषय में ही जाना जाता है, जबकि सन 1804 में झज्जर के एक रियासत बनने से पहले भी यह एक शासकीय दस्तूर / परगना रहा था जिस पर विभिन्न प्रशासक नियुक्त रहे थे।

झज्जर नगर की स्थापना वर्ष 1200 के आसपास भोजू जाट द्वारा की गई थी। उसके बाद नव स्थापित बस्ती ने तीव्र गति से विस्तार किया तथा सुदूर क्षेत्र अफगानिस्तान तक के नागरिक यहां आकर आबाद होने लग गए। एक दो शताब्दी के बाद यहां क्रमशः तीन बाह्य कबीलों का वर्चस्व कायम रहा। इनमें बहिस्ति कबीला, फिर पठान कबीला तथा बादशाह जहांगीर के काल में कलाल कबीले का नियन्त्रण रहा। उसके बाद दिल्ली दरबार से झज्जर पर विधिवत प्रशासक नियुक्त किए जाने लगे। इस तरह झज्जर का रूतबा एक दस्तूर स्तर का बन गया जिसके अन्तर्गत चार परगने झज्जर खास, दादरी तोए, मान्डोटी तथा बेरी दुबलधन आते थे। 16वीं शताब्दी से ही दिल्ली बादशाह के वजीर को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर प्रदान किया जाने लगा था। उस प्रचलन में विभिन्न प्रशासक नियुक्त किए गए थे। इनमें आकिल खां पठान, मीर मुश्तजा खां ईरानी, नजफ कुली खां, बेगम समरू, जार्ज थामस, फरुख नगर नवाब तथा भरतपुर राजा आदि के नाम शामिल हैं।

शाही वजीर सफदरजंग द्वारा नियुक्त मुरतजा खां ईरानी ने 1750 में झज्जर में एक किला बनाया था, जिसको गढ़ी पुकारा जाता था। यह पुराने थाने वाले स्थान पर था। उसके बाद लगभग 10 वर्षों तक फरूखनगर व झज्जर पर भरतपुर शासकों ने बलात कब्जा करके खुशहाल राय व राम किशन आदि यहां के प्रशासक नियुक्त किए थे। आश्चर्यजनक रूप से झज्जर पर वर्ष 1790 में दो सिखी साहब सिंह व मन्झा सिंह ने भी अधिकार कर लिया था। फिर 1794 से मराठों ने झज्जर को जार्ज थामस को प्रदान कर दिया, जिसने जहाजगढ़ में एक किला बनाया तथा हिसार तक के क्षेत्र पर कब्जा करके स्वतन्त्र राज्य ही बना लिया था। दिल्ली पर 1803 से अंग्रेजों का आधिपत्य होने पर उन्होंने झज्जर को एक विशाल रियासत बना दिया। इसका क्षेत्र नारनौल, महेन्द्रगढ़, दादरी व बावल तक था।

झज्जर के अंतिम नवाब द्वारा छुछकवास में बनवाया गया महल, जहां से अंग्रेजों ने उसको 1857 में बंदी बनाया था, यहां शिलालेख आज भी विद्यमान है। अंतिम नवाब द्वारा निर्मित झज्जर में स्थित महल।

निजाबत अली खां बना पहला नवाब

निजाबत अली खां झज्जर का प्रथम नवाब बनाया गया। लेकिन 54 वर्षों बाद 1858 में झज्जर रियासत को अंग्रेजों ने ही समाप्त कर दिया था। तब तक फैज अली खां, फैज मोहम्मद खां और अब्दुर रहमान खां आदि झज्जर के नवाब रहे थे। यद्यपि अन्तिम नवाब ने 1857 में अंग्रेजों से कोई प्रत्यक्ष युद्ध नहीं किया था लेकिन उसने दिल्ली से भागकर आए अंग्रेज मैटकाफ को शरण भी नहीं दी थी। इसका खामियाजा उसको फांसी के तौर पर भुगतना पड़ा। झज्जर के सम्पूर्ण इतिहास का उल्लेख गुलाम नबी द्वारा 1860 में लिखी गई पुस्तक में भी उर्दू भाषा में उपलब्ध है।

खाकी के कैनवास पर कला के अक्स बुन रहे एसीपी राजेन्द्र सिंह

प्रतिभा | **गुलशन वर्मा**

पुलिस... मतलब कड़क अंदाज, कठोर कार्यशैली, कड़ा अनुशासन। चौबीसों घंटे केस, कोर्ट-कचहरी, कानून, कायदा, कार्रवाई, कैदी, एनकाउंटर, लाठीचार्ज, हथकड़ी, जमानत, मुजरिम एफआईआर आदि आदि। ऐसा मान लिया जाता है कि पुलिस कर्मचारी या अधिकारी का जीवन भावशून्य व संवेदनाविहीन हो जाता है। खाकीधारियों की भीड़ में कुछ ऐसी शख्सियतें भी हैं जो कठोर प्रतिबद्धता के साथ कर्तव्य पालन में आदर्श बन कर खड़े हैं पर साथ ही व्यस्त दिनचर्या में से कुछ पल निकाल कर यह साबित कर रहे हैं कि खाकी सिर्फ कठोरता का पर्याय नहीं। कला, संस्कृति, काव्य, तूलिका भी उनके जीवन में अहम स्थान रखते हैं। यह शख्सियत हैं तूलिका के मास्टर और कविता के फनकार राजेन्द्र सिंह 'कलकल'।

दिल्ली पुलिस में असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर यानी एसीपी (पीएचक्यू) राजेन्द्र सिंह को राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों में कविता से श्रोताओं को उल्लासित, रोमांचित व भावविभोर करते देखा जा सकता है। देखते ही देखते वह साथ या सामने बैठे व्यक्ति का ऐसा सजीव कैरीकेचर बना देंगे कि आप दंग रह जाएंगे। एक 'शार्प' कार्टूनिस्ट के तौर पर 'कलकल' को अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली है। उनके कद्रदानों में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जानसन भी हैं जिन्होंने अपना कार्टून देख कर 10, डाउनिंग स्ट्रीट (सन् 1735 से लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों का निवास स्थान) से 'कलकल' को प्रशंसा का पत्र भेजा। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइल मिशन के सूत्रधार एपीजे अब्दुल कलाम को जब राजेन्द्र 'कलकल' ने उनका कैरीकेचर दिया तो वे इतने प्रभावित हुए कि उस पर लिख दिया, 'वैरी गुड कार्टून'। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, सदी के मेगास्टार अमिताभ बच्चन, क्रिकेटर कपिल देव और तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा भी उनके प्रशंसकों में शामिल हैं। 'कलकल' के बनाए कार्टून पर इन सभी ने हस्ताक्षर किए हैं व कमेंट लिखे हैं। राजेन्द्र 'कलकल' के बनाए कार्टून/ कैरीकेचर की सूची काफी लंबी है। दिल्ली पुलिस के इतिहास पर किए गए शोध, साहित्यिक प्रतिभा, अध्यात्मवाद और व्यवहारवाद आदि को देख कर सहज रूप से उनकी 'वर्सेटाइल पर्सनैलिटी' का अहसास हो जाता है। हरियाणा के भिवानी जिले के मूल निवासी राजेंद्र सिंह 'कलकल' की बहुमुखी प्रतिभा पर अभी तक हरियाणा साहित्य अकादमी या केंद्र सरकार की साहित्य, कला, शिक्षा, सामाजिक एजेंसियों की नजर न पड़ना आश्चर्यजनक है।

एसीपी राजेन्द्र सिंह 'कलकल' दिल्ली पुलिस के संग्रहालय के सूत्रधार और अनुसंधानकर्ता भी हैं। किंग्स्वे कैंप स्थित यह संग्रहालय कई मायनों में अद्भुत है। 'हिस्ट्री एंड हेरिटेज बुक आफ दिल्ली' में राजेंद्र 'कलकल' का अहम योगदान है।

दुनिया कायल है 'कलकल' की

राजेन्द्र सिंह के कद्रदानों में अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह, अमिताभ बच्चन भी शामिल रहे हैं। अपना कैरीकेचर देख 'मिसाइलमैन' ने लिखा, 'वैरी गुड कार्टून', वहीं ब्रिटिश पीएम बोरिस जानसन ने लैटर भेज कर धन्यवाद किया।

दिल्ली पुलिस की पहली कॉफी टेबल बुक इन्हीं के शोध पर आधारित थी। आजादी से पहले की पुलिस यूनिफॉर्म, बंदूक, टोपी, पुलिस थानों की पहचान, फोटो, जुर्माना, पहली एफआईआर, इंस्पेक्शन बुक, पहला वायरलैस सेट जैसी अनेक रोचक और खोजपरक जानकारी इस संग्रहालय में मौजूद है। दिल्ली पुलिस की वेबसाइट 'कलकल' के कार्टूनों से भरी है। हर कार्टून इतना परफेक्ट कि आप देखते रह जाएंगे। दिल्ली पुलिस की पत्रिकाओं, कैलेंडर में उनके कार्टून छप चुके हैं। 'कलकल' जाने माने कवि भी हैं। उनकी कविताओं व साहित्य रचनाओं में जीवन के कठोर, चुटीले व रोचक किस्सों व प्रेरणादायक वृतांत का समावेश होता है। वह सामाजिक बंधनों की परंपरा को कायम रखने में भी सबसे आगे हैं। वह उपदेशक (मोटिवेशनल स्पीकर) की भूमिका भी निभा रहे हैं जिसमें वह अपने संदेशों में जीवन के प्रति आशावाद और उत्साह का संचार करते हैं। वह बाकायदा मोटिवेशनल क्लास भी लगाते हैं जिसमें दैनिक जीवन के तनावों से मुक्ति पाने के टिप्स दिए जाते हैं। ये टिप्स गीता की शिक्षा पर आधारित होते हैं। इन क्लासों में बढ़ती भीड़ इनकी निरंतर बढ़ती लोकप्रियता को स्वयं साबित करती है। इनके टिप्स बच्चे, युवा, प्रौढ़, बुजुर्ग सभी के लिए होते हैं।

खबर संक्षेप

उज्जैन से ध्वजा लेकर गांधरा पहुचा भक्त

सांपला। आस्था का इतना जुनून की गांधरा गांव का श्रद्धालु सागर 3200 किलोमीटर पद यात्रा कर खाटू श्यामजी की ध्वजा लेकर गांव पंहुचा। भक्त सागर ने मध्यप्रदेश के शहर उज्जैन से खाटू श्याम की ध्वजा ली और उसको लेकर चल पड़ा। इस हजारों किलोमीटर लंबे रास्ते में जो भी खाटू श्याम जी के मंदिर लगे सभी में दर्शन किए और आगे बढ़ता गया। रविवार को वह गांव के मंदिर पहुंचे। जिसका श्रदालु लीला मलिक सहित अन्य ने स्वागत किया।

ट्रस्ट ने मनाया राजेश जैन का जन्मदिन

रोहतक। माता धनपति देवी ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और ट्रस्ट में निशुल्क शिक्षण ग्रहण कर रहे सभी छात्र-छात्राओं ने ट्रस्ट के संरक्षक व एमडी एलपीएस बोसार्ड के राजेश जैन का 67 वां जन्मदिन बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि ट्रस्ट ने जन्मदिन के अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं को और गली-मौहल्ले के लोगों को गन्ने का जूस का स्टाल लगाकर, जूस पिलाकर मनाया। सभी ने बड़े अच्छे ढंग से जूस पिया और अपनी आत्मा को तुप्त कर मन में शांति प्राप्त की। ट्रस्ट के पदाधिकारियों, सदस्यों द्वारा राजेश जैन को फूलों के बुके, पटके और मालाओं द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के छात्र-छात्राओं द्वारा उनकी लंबी उम्र की भगवान से प्रार्थना की। ट्रस्ट के एक छात्र अनुभव ने ट्रिप्ल आईटी धारवाड़ में बीटेक में प्रवेश पाया सभी ने उसको बधाई दी।

जहरीला पदार्थ निगलने के कारण सरपंच की मौत

झज्जर। गांव धांधलान में एक व्यक्ति ने गांव के खेतों में जाकर जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। परिजनों को जब पता चला तो वे उसे लेकर डीघल के अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे गंभीर हालत के चलते रोहतक पीजीआई रैफर कर दिया। रोहतक पीजीआई में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान ग्राम सरपंच कृष्ण कुमार के तौर पर हुई है। बाद में पुलिस और एफएसएल टीम द्वारा भी मौके पर पहुंच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए। दुजाना थाना प्रभारी राकेश ने बताया कि उन्हें धांधलान गांव में सरपंच द्वारा जहरीला पदार्थ निगलने से मौत की सूचना मिली थी। जिसके बाद उन्होंने मौका-मुआयना किया गया। मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

प्रशासन द्वारा मकान गिराए जाने की सूचना पर दिखी बेचैनी, सरपंच से मिले

60 वर्षों की पुश्तैनी बस्ती पर गहराया संकट वाल्मीकि समाज ने लगाई प्रशासन से गुहार

सरपंच ने पीड़ितों से कहा अगर जल्द प्रशासन से मिलकर समाधान नहीं निकाला तो अधिकांश मकानों को गिरा दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव समरगोपालपुर कला की ऐतिहासिक और पुश्तैनी वाल्मीकि बस्ती एक गहरे संकट से जूझ रही है। यहां के निवासियों को हाल ही में सूचना मिली है कि पंचायत की जमीन पर बने उनके पुराने मकानों को तोड़ा जा सकता है। यह सूचना गांव के सरपंच के माध्यम से प्राप्त हुई, जिससे पूरे समाज में भय और चिंता का माहौल है। इस बस्ती में बाल्मीकि समाज के लोग बीते 60 वर्षों से किला नंबर 6/2, 6/1, 5/14 आदि पर बने मकानों में रह रहे हैं। इन घरों में बिजली-पानी के कनेक्शन, पक्की गलियां, और आधार व वोटर कार्ड जैसी पहचान दस्तावेज भी इन्हीं पते पर बने हुए हैं। कुछ मकान तो सरकार की योजनाओं के तहत खुद सरकार द्वारा बनाए गए हैं। निवासियों ने बताया कि उनके पास इन मकानों और जमीन के अलावा कोई अन्य संपत्ति या कृषि भूमि नहीं है। वे दिहाड़ी मजदूरी कर के किसी तरह अपने परिवार का गुजारा कर रहे हैं। गांववासियों को जब सरपंच के माध्यम से मकान गिराए जाने की सूचना मिली, तो कुछ लोग उनसे मिलने पहुंचे। सरपंच ने बताया कि पंचायत विभाग के अधिकारियों के अनुसार, हाल ही में कुछ लोगों ने ताजा कब्जे किए हैं, जिसकी सूचना प्रशासन को दी गई है। और अब नए कब्जाधारियों ने यह मांग रखी है कि पुराने कब्जे, विशेषकर बाल्मीकि समाज के मकान भी तोड़े जाएं। सरपंच ने यह भी कहा कि अगर आप जिला उपायुक्त से मिलकर समाधान नहीं निकालते, तो आपके मकानों को गिरा दिया जाएगा। बस्ती के बीचों-बीच स्थित सामूहिक चौपाल वर्ष 1972 से बनी हुई है। यह भी इसी जमीन पर बनी है और ग्राम पंचायत की मौखिक सहमति से उस समय मकान बनाए गए थे। यह चौपाल समाज की एकता, विरासत और पहचान की प्रतीक है।

रोहतक। समरगोपालपुर कला की बस्ती की समस्याओं को लेकर प्रशासन से गुहार लगाते बसल्मीकि समाज के लोग।

यह है वाल्मीकि समाज की प्रमुख समस्या

बाल्मीकि समाज के लोग बीते 60 वर्षों से किला नंबर 6/2, 6/1, 5/14 आदि पर बने मकानों में रह रहे हैं। इन घरों में बिजली-पानी के कनेक्शन, पक्की गलियां, और आधार व वोटर कार्ड जैसी पहचान दस्तावेज भी इन्हीं पते पर बने हुए हैं। कुछ मकान तो सरकार की योजनाओं के तहत खुद सरकार द्वारा बनाए गए हैं।

आर्थिक स्थिति खराब

बस्तीवासियों ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और वे बाजार से जमीन या प्लॉट खरीदने में असमर्थ हैं। उनके पास न तो कोई वैकल्पिक मकान है और न ही कहीं और बसने का विकल्प। मुख्यमंत्री की घोषणा का हवाला देते हुए उन्होंने मांग की है कि जो लोग 20 वर्षों से पंचायत की जमीन पर रह रहे हैं, उन्हें मालिकाना हक दिया जाएगा। इस घोषणा के अनुसार, बाल्मीकि समाज के इन निवासियों को हटाना अन्यायपूर्ण होगा, क्योंकि समरगोपालपुर कला गांव में अब तक पंचायत द्वारा किसी को कोई वैध प्लॉट नहीं दिया गया है। इस मौके पर ब्लॉक समिति सदस्य मीनू, पंच भारती, पूर्व समिति सदस्य सन्तराज, पूर्व पंच सतबीर, नीलम, सुमित्रा, बाला, ओमप्रकाश, जोगिन्द्र, महेंद्र सिंह, पवन, रवि, विनोद, बिजेन्द्र सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे और अपनी एकजुटता प्रकट की।

स्वर्गीय राजवती देवी के निधन पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मौजूद गणमान्य।

राजनेताओं, सामाजिक हस्तियों ने श्रद्धांजलि सभा में राजवती देवी को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के सबसे बड़े भाई इन्द्र सिंह हुड्डा की धर्मपत्नी स्वर्गीय राजवती देवी के निधन पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी हस्तियों और संस्थाओं के प्रमुखों ने अपनी शोक संवेदनाएं प्रकट कीं और दिवंगत राजवती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इससे पहले पूरे विधि-विधान से हवन-पूजन कर दिवंगत पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

इस दौरान श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंदर कल्याण, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, योग गुरु स्वामी रामदेव, पूर्व केंद्रीय मंत्री आनन्द शर्मा, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सांसद कुमारी शैलजा, सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला, पूर्व केन्द्रीय मंत्री चौ. बिरेन्द्र सिंह, इनेलो नेता अभय चौटाला, पूर्व केन्द्रीय मंत्री संजीव बाल्याण, सांसद जयप्रकाश जेपी, सांसद नवीन जिंदल, विधायक सावित्री जिंदल, कैप्टन अजय यादव, सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, अलीगढ़ सांसद सतीश कुमार गौतम, बिजनौर सांसद चंदन चौहान, पूर्व सांसद राजबब्बर, पूर्व सांसद व विधायक बाबा बालकनाथ, किसान नेता राकेश टिकैत, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, कैबिनेट मंत्री अरविन्द शर्मा, सांसद धर्मबीर सिंह, सांसद राहुल कसवां, पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा, पूर्व सांसद बिजेन्दर सिंह, पूर्व सांसद अशोक तंवर, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व सांसद डीपी वत्स, पूर्व सांसद सुशील गुप्ता, पूर्व सांसद धर्मपाल मलिक, पूर्व सांसद जितेंद्र मलिक श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे।

श्री बाबा मस्तनाथ स्कूल में एक्टिव लर्निंग स्ट्रेटजी पर वर्कशॉप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

श्री बाबा मस्तनाथ स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में एक्टिव लर्निंग स्ट्रेटजी वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप की निर्देशक दीपाली सिंह रही। इसका उद्देश्य शिक्षकों को सक्रिय शिक्षण रणनीतियों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इस वर्कशॉप में शिक्षकों को सक्रिय शिक्षण रणनीतियों के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्रदान की गई। दीपाली सिंह ने अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया और शिक्षकों को अपने सवाल पूछने का अवसर दिया। वर्कशॉप में शिक्षकों ने सक्रिय शिक्षण रणनीतियों के महत्व और उनके अनुप्रयोग के बारे में चर्चा की। यह वर्कशॉप शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिससे वे अपने शिक्षण कौशल को बढ़ा सकते हैं और छात्रों को अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ा सकते हैं। सीबीएसई की इस पहल से शिक्षकों को अपने शिक्षण तरीकों में सुधार करने और छात्रों के लिए एक बेहतर शिक्षण अनुभव प्रदान करने में मदद मिलेगी। श्री बाबा मस्तनाथ स्कूल में आयोजित एक्टिव लर्निंग स्ट्रेटजी वर्कशॉप एक सफल आयोजन था, जिससे शिक्षकों को अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने के नए अवसर मिले। सीबीएसई की इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों को सक्रिय शिक्षण रणनीतियों के माध्यम से छात्रों को बेहतर शिक्षण प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

रोहतक। वर्कशॉप में जानकारी देती विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

थैलेसीमिया जागरूकता पर राष्ट्रीय सेमिनार व सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

- एक कदम थैलेसीमिया मुक्त समाज की ओर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डेरा बाबा लक्ष्मणपुरी गौकर्णधाम में हम और आप सोशल वेलफेयर सोसाइटी एवं रक्तगिरी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय थैलेसीमिया सेमिनार एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा रहे। यह आयोजन पावन सान्निध्य उपाचार्य बाबा कपिल पुरी महाराज के आशीर्वाद से संपन्न हुआ, जिनकी आध्यात्मिक उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

इस आयोजन का उद्देश्य थैलेसीमिया जैसी गंभीर आनुवांशिक बीमारी के प्रति जन-जागरूकता फैलाना, इसके रोकथाम एवं उपचार के उपायों पर संवाद स्थापित करना। सेमिनार के दौरान इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों, रक्तदाताओं एवं संस्थाओं को सम्मानित करना रहा। हम और आप सोशल वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक गुलशन निझावन तथा उनकी समर्पित टीम की प्रेरणादायक भूमिका रही, जिन्होंने वर्षों से थैलेसीमिया के क्षेत्र में कार्य करते हुए समाज को जागरूक किया है। सेमिनार में देशभर से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने थैलेसीमिया की रोकथाम, विवाहपूर्व स्क्रीनिंग, सामाजिक भागीदारी और जन-जागरूकता जैसे विषयों पर सारगर्भित विचार रखे।

रोहतक। सेमिनार को संबोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

80 से ज्यादा सामाजिक संस्थाओं की रही भागीदारी

कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिनिधियों तथा देशभर की 80 से अधिक सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी रही। छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी एवं जनजागरूकता गतिविधियों ने दर्शकों को थैलेसीमिया के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। आयोजन में पुष्कर, सुभाष बल्हारा, और समर्पित स्वयंसेवकों का योगदान सराहनीय रहा।

जैन पब्लिक स्कूल में नव निर्मित भवन का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जैन सभा के अंतर्गत संचालित शैक्षणिक संस्थान जैन पब्लिक स्कूल माता दरवाजा जींद रोड में नव निर्मित भवन का उद्घाटन दीपक जैन प्रधान, जैन सभा की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि राजेश जैन एमडी एलपीएस रोहतक द्वारा किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि जैन सभा के महामंत्री मनोज कुमार जैन ने नव निर्मित भवन के बारे में बताते हुए कहा कि नव निर्मित भवन में कुल 14 कमरों का निर्माण पर किया गया है। बच्चों की मूलभत सविधाओं को ध्यान में रखते हुए व सीबीएसई की गाइडलाइन के अनुसार कमरों को आधुनिक सुविधाओं (स्मार्ट क्लास) से युक्त किया गया है। जिसमें रैंप व लिफ्ट की भी सुविधा प्रदान की गई है। महामंत्री मनोज कुमार जैन ने नई मैनेजमेंट के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि गत तीन वर्षों के कार्यकाल में जैन पब्लिक स्कूल में नई कंप्यूटर लैब, रोबोटिक लैब, आधुनिक खिलौनों से लैस प्ले वे, विद्यालय के बच्चों के सुविधाजनक ट्रांसपोर्टेशन के लिए नई बस व नई वैन, स्केटिंग व बास्केट बाल के लिए नए प्ले ग्राउंड का निर्माण, क्लास रूम में नए बेंच, बिना रुकावट निरंतर बिजली आपूर्ति के लिए नया जनरेटर, अभिभावकों की सुविधा के लिए नया शेड व अन्य विकास कार्य किए गए। इस अवसर पर विनोद जैन, विनय जैन, रविंदर जैन नवल, परवीन जैन, प्रभाष जैन, अचिन जैन, अशोक कुमार जैन, संजय जैन, नरेश जैन, मुकेश जैन, मनीष जैन, नवीन जैन, अंकुर जैन, अतुल जैन लोहिया, राम प्रताप जैन, अतुल जैन, सिद्धार्थ जैन, आशु जैन, विकास जैन, अशोक कुमार जैन, प्रभाष जैन आदि मौजूद रहे।

रोहतक। जैन पब्लिक स्कूल में नव निर्मित भवन का उद्घाटन करते अतिथि।

रोहतक पहुंचने पर आप प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

रोहतक। आम आदमी पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता शनिवार को रोहतक पहुंचे, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा कि हाल ही में पंजाब के लुधियाना वेस्ट और गुजरात के विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी की ऐतिहासिक जीत ने कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश और उत्साह भर दिया है। जो लोग यह कह रहे थे कि आम आदमी पार्टी खत्म हो चुकी है, उन्हें अब जनता ने करारा जवाब दे दिया है। देश और प्रदेश की जनता अब समझ चुकी है कि बीजेपी और कांग्रेस आपस में मिले हुए हैं, जबकि आम आदमी पार्टी ही हरियाणा में सच्चे विपक्ष की भूमिका निभा रही है।

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

रोहतक। एसआरएस स्कूल में हरियाणा कन्या वाहिनी एनसीसी द्वारा कैंप कमांडेंट कर्नल अमित मैथ्यू की अध्यक्षता में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सैन्य विषयों के प्रशिक्षण के साथ साथ अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। सुबह की शुरुआत खेल प्रतियोगिता से की गई। जिसमें विभिन्न विद्यालयों से आई कन्या कैडेटों के लिए खो खो प्रतियोगिता फर्स्ट ऑफिसर ज्योति की सहायता से आयोजित की गई। इसमें जवाहर नवोदय विद्यालय रसूलपुर पलवल प्रथम स्थान पर विजयी रहा और राजकीय कन्या विद्यालय खरखड़ा दूसरे स्थान पर रहा। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक प्रतिभाओं के लिए समूह गायन प्रतियोगिता भी रखी गई। प्रत्येक प्रतियोगिता में कैडेटों का जोश और प्रदर्शन सराहनीय था।

गुरुद्वारा बंगला साहिब में गुरुमत सिखलाई, कैंप का हुआ समापन

- 103 बच्चों ने सीखा सिख इतिहास और संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गुरुद्वारा बंगला साहिब में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी व स्थानीय संगत के सहयोग से चलाए गए गुरुमत सिखलाई कैंप का समापन शुक्रवार को श्रद्धा व उमंग के साथ संपन्न हुआ। यह विशेष शिविर 1 जून से 28 जून तक आयोजित किया गया, जिसमें 103 बच्चों ने भाग लेकर सिख धर्म, इतिहास, गुरुमुखी भाषा और मर्यादा से गहरे जुड़ाव की अनुभूति प्राप्त की। कैंप के दौरान बच्चों को गुरुमुखी पढ़ना और लिखना, शबद कीर्तन, हारमोनियम बजाना, और सिख इतिहास की प्रमुख घटनाएं सिखाई गईं। साथ ही, उन्हें शिक्षा, सेवा, अनुशासन और धार्मिक मर्यादा का महत्व भी बताया गया। समापन अवसर पर बच्चों ने गुरुद्वारा साहिब में सामूहिक कीर्तन व अरदास कर अपने सीखे हुए ज्ञान का प्रदर्शन किया।

पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति का दिया संदेश

इस अवसर पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व सदस्य हरभजन सिंह राठौर ने संगत को पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति जैसे सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को जहां धार्मिक ज्ञान मिल रहा है, वहीं उन्हें समाज के प्रति भी सजग बनाना आज की आवश्यकता है। कार्यक्रम में गुरुद्वारा मैनेजर पूर्ण सिंह, धर्म प्रचारक सतिंदर सिंह, जगमोहन सिंह कोचर, हरिंदर सिंह लकी, निर्मल सिंह (जर्मनी), जसबिंदर सिंह चौहान सहित कई गणमान्य सेवादारों की उपस्थिति रही, जिन्होंने इस कैंप के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

शिक्षा भारती विद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

शिक्षकों को पंचपदी शिक्षा से करवाया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वाधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संरक्षित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड में तीन दिवसीय पंचपदी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। जिसका समापन रविवार को हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को पंचपदी शिक्षण विधि से परिचित कराना और उन्हें शिक्षण के नवीन तरीकों से सजग करना रहा।

इस तीन दिवसीय पंचपदी कार्यशाला के दौरान सभी आचार्यों ने पंचपदी शिक्षण पद्धति के आधार पर आदर्श पाठ योजनाओं का निर्माण किया। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में शिक्षकों ने विषयवस्तु का गहन विश्लेषण करते हुए पाठ योजना को अनुभव, चिंतन, अभिव्यक्ति, विश्लेषण एवं कर्म के क्रम में तैयार किया। इस अभ्यास से न केवल शिक्षकों की रचनात्मक क्षमता में वृद्धि हुई, बल्कि उन्होंने यह भी जाना कि किस प्रकार पंचपदी पद्धति के माध्यम से छात्र केंद्रित और प्रभावी शिक्षण को साकार किया जा सकता है। तैयार की गई आदर्श पाठ योजनाओं को समूह में प्रस्तुत भी किया गया, जिससे परस्पर विचार-विमर्श और सुधार की प्रक्रिया को बल मिला।

समापन सत्र में विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि "पंचपदी शिक्षण पद्धति शिक्षकों के लिए एक सशक्त माध्यम है जिससे कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों की भागीदारी और समझ में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। ऐसी कार्यशालाएँ न केवल शिक्षकों को प्रशिक्षित करती हैं, बल्कि शिक्षण को और अधिक रोचक एवं प्रभावशाली बनाती हैं।" उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में शिक्षकों को केवल सूचना देने वाला नहीं, बल्कि एक सुविचारित मार्गदर्शक बनने की आवश्यकता है, और पंचपदी पद्धति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पंचपदी शिक्षण पद्धति वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नवाचार का एक सशक्त माध्यम

इस अवसर पर संकुल प्रमुख अश्वनी कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पंचपदी शिक्षण पद्धति वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नवाचार का एक सशक्त माध्यम है। यह पद्धति विद्यार्थियों की सोचने, समझने और व्यक्त करने की क्षमता को विकसित करती है। शिक्षकों द्वारा बनाई गई आदर्श पाठ योजनाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि यदि शिक्षण पद्धति में थोड़ा सा नवाचार जोड़ दिया जाए तो शिक्षा अधिक प्रभावी और रुचिकर बन सकती है।" उन्होंने सभी प्रतिभागी शिक्षकों को उनके सक्रिय सहभागिता के लिए बधाई दी और भविष्य में भी इसी प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

माता परमेश्वरी देवी

1 मई 1936 — 20 जून 2025

श्रद्धांजलि सभा में छलके श्रद्धा के आंसू

श्रद्धासुमन अर्पित किए

मंत्रोचारण करतीं डॉ. सुकामा

श्रद्धांजलि अर्पित करतीं सावित्री जिंदल

पुष्पअर्पित करतीं वीसी डॉ. सुदेश छिकारा

शोक प्रकट करने पहुंचे पूर्व गृहमंत्री सुभाष बतरा

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर ऑडिटोरियम में उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता स्वर्गीय परमेश्वरी देवी जी के निधन पर एमडीयू के टैगोर सभागार में रविवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, नेता, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति पहुंचे। उन्होंने माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान दूर दराज के क्षेत्रों से खाप प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाओं और आर्य समाज के प्रतिनिधि माताजी को श्रद्धांजली देने पहुंचे। शोक व्यक्त करने आए लोगों ने कहा कि माताजी ने जीवन भर जन कल्याण और आर्य समाज के लिए कार्य किया, जिसके लिए वह हमेशा याद की जाएंगी।

माता परमेश्वरी देवी जी का 20 जून को देहवासन हो गया था। 21 जून को उनका अंतिम संस्कार गांव खांडा खेड़ी में किया गया। इस दौरान स्वामी रामदेव सहित दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा, हरियाणा सरकार के मंत्रियों और अन्य नेताओं ने अंतिम दर्शन किए। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय, कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा, कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण, जेजेपी लीडर अजय सिंह चौटाला, इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, कैबिनेट मंत्री रणबीर, कैबिनेट मंत्री कृष्ण पंवार, डीजीपी शत्रुजीत कपूर, आईएएस अधिकारी पीके दास आदि ने सिंधु भवन में आयोजित शोक सभा में पहुंच कर माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

माता जी ने परिवार को संस्कार दिए

यूपी के पूर्व विधायक सहेंद्र रमाला माता जी को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय माताजी और स्वर्गीय चौ. मित्रसेन जी के दिए संस्कारों की वजह से परिवार जनहित के कार्य में लगा हुआ है। सिंधु परिवार को संस्कारों की वजह से पूरे देश में पहचान है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि इस दुख की घड़ी में परिवार को शक्ति प्रदान करे।

जीवन जन कल्याण में लगा दिया

पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने माता जी को रोहतक पहुंच कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा माता जी ने पूरा जीवन जन कल्याण में लगा दिया। उनकी वजह से न जाने कितने लोगों को भला हुआ है। इस क्रम को अब उनका परिवार आगे बढ़ाता रहेगा। उन्होंने कहा परमात्मा इस दुख की घड़ी में परिवार को ताकत प्रदान करे।

देशहित में कार्य कर रहा परिवार

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि मां का चले जाना बहुत ही दुखद होता है। माता के बिना संसार अधूरा लगता है। परमपिता से प्रार्थना है कि उन्हें शक्ति प्रदान करे और माता जी को अपने श्री चरणों में स्थान दें। माताजी परमेश्वरी देवी जी और स्वर्गीय चौ. मित्रसेन जी के दिए संस्कार की वजह से परिवार एकजुट है और देश हित में कार्य कर रहा है।

पूरे समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए

भारतीय जनता पार्टी के यूपी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने रोहतक पहुंचकर माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि माता जी को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को यह दुख सहने की की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि माता जी के त्याग, समर्पण और संस्कारों से पूरे समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए।

श्रद्धासुमन अर्पित किए

बाबा रामदेव के साथ कैप्टन रुद्रसेन सिंधु

कांग्रेस नेत्री अनिता यादव

कैप्टन अभिमन्यु से मिलते रामबिलास शर्मा

पूर्व सांसद संजय भाटिया और पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर

परमेश्वरी देवी ने परिवार को अच्छे कर्म सिखाए

मां का जाना बहुत दुखद होता है। मां के बिना संसार की कल्पना नहीं की जा सकती। माता परमेश्वरी देवी जी बहुत ही मेहनती और संस्कारी महिला थी। माताजी को श्रद्धांलति अर्पित की। साथ ही ईश्वर से परिवार के लिए प्रार्थना की कि उन्हें यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

-महामंडलेश्वर स्वामी परम चेतन्य महाराज

मेहनत और समर्पण से सभी को आगे बढ़ाया

माता परमेश्वरी देवी और स्वर्गीय मित्रसेन सिंधु जी की मेहनत और समर्पण ने परिवार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने परिवार को अच्छे संस्कार और मूल्यों के साथ जीने के लिए प्रेरित किया, जो उनके बच्चों के भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करता है।

- महामंडलेश्वर कर्णपुरी महाराज

परमेश्वरी देवी की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता

परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए आए हैं। माता-पिता का परिवार में महत्वपूर्ण योगदान होता है। मां का दर्जा वास्तव में सबसे ऊंचा होता है और उनकी भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे परिवार को एकजुट रखने और संस्कार देने में भूमिका निभाती थी।

-स्वामी नित्यानंद सरस्वती, आर्य समाज

परिवार को साथ रखना, संस्कार देना उपलब्धि

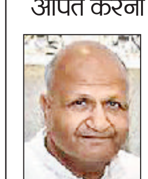

परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए पुष्प अर्पित करना एक भावपूर्ण तरीका है। उनकी धार्मिक प्रवृत्ति और परिवार को अच्छे संस्कार देने की उनकी भूमिका की प्रशंसा की जानी चाहिए। परिवार को साथ रखना और उन्हें अच्छे संस्कार देना वास्तव उपलब्धि है।

- मनमोहन गोयल, पूर्व मेयर, रोहतक

माताजी का जीवन सादगी सेवा का प्रतीक

माता परमेश्वरी देवी जी का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उनके परिवार में जो मूल्यों की नींव है, वह उनके ही कारण है। माताजी का जीवन सादगी, सेवा और श्रद्धा का प्रतीक था। परिवार ने एक मार्गदर्शक स्तंभ खो दिया है। उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो पाएगी।

- नवीन दुल, भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी

श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे प्रतिष्ठित लोगों ने माता जी को अपने शब्दों में दी पुष्पांजलि

माता परमेश्वरी देवी समाज के लिए प्रेरणास्रोत, हमेशा याद रहेंगी

परमेश्वरी देवी ने परिवार को अच्छे कर्मों पर चलने के लिए प्रेरित किया

माता परमेश्वरी देवी और स्वर्गीय मित्रसेन सिंधु जी ने जीवन भर मेहनत करके परिवार को आगे बढ़ाया। उन्होंने अपने परिवार को अच्छे कर्मों पर चलने के लिए प्रेरित किया और अच्छे संस्कार दिए। वहीं, आज कार्यक्रम के दौरान माता जी की वीडियों देखकर पता चला कि उन्होंने अपने बच्चों को कैसे आगे बढ़ाया है।

- रमेश भाटिया, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा

माता जी के दिए संस्कारों की झलक परिवार में दिखाई देती है

माता परमेश्वरी देवी जी ने अपना जीवन बहुत ही सादगी से बिताया। उनके दिए संस्कार की झलक परिवार में दिखाई देती है। वे माता जी को श्रद्धांजलि देते हैं और प्रार्थना करते है कि ईश्वर माता जी को अपने श्री चरणों में स्थान दे। माता परमेश्वरी देवी जी ने पूरे परिवार को संजो कर रखा है। यह पूरे समाज के लिए बेहतरीन उदाहरण है।

- मनोज मक्कड़, भाजपा वरिष्ठ नेता

परमेश्वरी देवी ने अपना जीवन सदैव दूसरों की मदद करने में बिताया

माता परमेश्वरी देवी जी का स्वभाव बहुत सरल था। उनका जीवन सादगी से भरा रहा। उन्होंने सिंधु परिवार को बहुत ही अच्छे संस्कार दिए। उनके जाने से समाज को जो क्षति हुई है उसकी भरपाई नहीं हो सकती। माता जी ने अपना जीवन सदैव दूसरों की मदद करने और जन कल्याण के कार्यों में बिताया है।

- गुलाब सिंह, चेयरमैन एपेक्स कलानौर

माता परमेश्वरी देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी, सदा याद रहेंगी

परमेश्वरी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। माता परमेश्वरी देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। उन्होंने अपने परिवार को अच्छे संस्कार दिए। उन्होंने पूरे परिवार को एक साथ रखा। यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि मां का दर्जा सबसे ऊंचा होता है। मां का चले जाना मतलब सब कुछ चले जाना।

- विजय आर्य, भाजपा नेता

मां बेशक चली गई हैं लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा रहेगा

स्वर्गीय माता परमेश्वरी देवी जी के आशीर्वाद से ही सिंधु परिवार ने हर क्षेत्र में तरक्की की है। मां बेशक चली गई हैं लेकिन मां का आशीर्वाद परिवार पर हमेशा रहेगा और ऐसे ही परिवार समाज और राष्ट्र की सेवा करता रहेगा। ऐसी संस्कारी मां, जिसने पूरे परिवार का एक साथ रखा।

- सुनीता चौहान, झज्जर भाजपा नेत्री

समाज को एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया

माता परमेश्वरी देवी ने अपना पूरा जीवन समाज के उत्थान और आम लोगों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। परमेश्वरी देवी को एक धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। जिन्होंने अपने परिवार को एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया और समाज के लिए भी उल्लेखनीय कार्य किए।

- अतर यादव, पूर्व प्रधान ओबीसी, झज्जर